



प्रेस विज्ञप्ति

**मजबूत उद्योग-अकादमिक तालमेल के साथ आईआईटी भुवनेश्वर में  
सेमीकंडक्टर टैलेंट प्राइमर कार्यशाला आयोजित की गई**

**भुवनेश्वर, 4 अगस्त 2025:** भारत के सेमीकंडक्टर कार्यबल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, आईआईटी भुवनेश्वर ने 31 जुलाई और 1 अगस्त 2025 को SEMI, इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया (ESSCI), और इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (IESA) के सहयोग से दो दिवसीय सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्राइमर कार्यशाला की सफलतापूर्वक मेजबानी की।

इस आयोजन ने सेमीकंडक्टर विनिर्माण, पैकेजिंग और संबद्ध डोमेन में कौशल अंतर को पाटने के उद्देश्य से व्यावहारिक सत्र और चर्चा करने के लिए शिक्षा जगत, उद्योग और सरकारी हितधारकों को एक साथ लाया। सेमीकंडक्टर्स के लिए औद्योगिक सुरक्षा, क्लीनरूम प्रैक्टिस, वैक्यूम तकनीक, डिस्प्ले सिस्टम और उन्नत पैकेजिंग जैसे विषयों पर क्यूरेटेड मॉड्यूल के साथ, कार्यशाला को एआईसीटीई के नए पाठ्यक्रम ऐच्छिक के साथ संरेखित करने के लिए तैयार किया गया था।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने सेमीकंडक्टर में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता को सक्षम करने में शैक्षणिक संस्थानों की रणनीतिक जिम्मेदारी पर जोर दिया: "आईआईटी भुवनेश्वर में, हम ऐसे इंजीनियरों का पोषण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो न केवल उन्नत प्रौद्योगिकियों को समझते हैं बल्कि उनके भीतर नवाचार करने के लिए भी सुसज्जित हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों को सिलिकॉन कार्बाइड के क्रिस्टल विकास को समझने से लेकर सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के अभ्यास के लिए आवश्यक अवधारणाओं और कौशल से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। MOSFETs जैसी डिवाइस-स्तरीय अवधारणाओं की खोज के लिए 2400°C, व्यावहारिक कौशल-निर्माण के साथ अंतःविषय सिद्धांत को जोड़कर, यह व्यावहारिक, कौशल-आधारित शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जोर के साथ हमारे संरेखण को दर्शाता है।

कार्यशाला में ओडिशा सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी विभाग के विशेष सचिव श्री मानस रंजन पांडा की उपस्थिति भी देखी गई, जिन्होंने एक एकीकृत अर्धचालक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए राज्य के दृष्टिकोण को साझा किया: "अर्धचालक आधुनिक प्रौद्योगिकी की रीढ़ हैं, और ओडिशा एक पूर्ण-स्टैक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है - चिप डिजाइन और निर्माण से लेकर उन्नत पैकेजिंग और प्रतिभा विकास तक। आईआईटी भुवनेश्वर जैसे संस्थान

दूरदर्शी पाठ्यक्रम और उद्योग-संरक्षित अनुसंधान के माध्यम से इस मिशन को चला रहे हैं। ओडिशा चिप कार्यक्रम, वैश्विक जैसी पहल के साथ साझेदारी और फैकल्टी अपस्किंग के जरिए हमारा लक्ष्य प्रतिभा की कमी को पाटना और ओडिशा को कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स और उन्नत पैकेजिंग के केंद्र के रूप में स्थापित करना है।"

उद्योग और कौशल विकास क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए, ईएसएससीआई में सेमीकंडक्टर कौशल समिति के अध्यक्ष डॉ. अश्विनी के. अग्रवाल ने उद्योग-संरक्षित शिक्षा की आवश्यकता पर विचार किया: "हमने ऐसे ऐच्छिक डिजाइन किए हैं जो औद्योगिक सुरक्षा, क्लीनरूम प्रथाओं, वैक्यूम तकनीक और पैकेजिंग जैसे महत्वपूर्ण डोमेन को कवर करते हैं - यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्रों को व्यावहारिक, उद्योग-तैयार कौशल प्राप्त होते हैं। आईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से, हमारा उद्देश्य शिक्षा जगत को वास्तविक दुनिया की जरूरतों के साथ जोड़ना और न केवल सेमीकंडक्टर के लिए, बल्कि प्रतिभा तैयार करना है।"

तकनीकी सत्रों को चार प्रमुख मॉड्यूल में संरचित किया गया था, जिसमें सेमीकंडक्टर औद्योगिक सुरक्षा, क्लीनरूम और नियंत्रित वातावरण, वैक्यूम तकनीक और सेमीकंडक्टर पैकेजिंग शामिल थे, जो विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करते थे। प्रासंगिक बुनियादी ढांचे और इंटरैक्टिव राउंड के व्यावहारिक अभ्यास से प्रतिभागियों को सिद्धांत को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों से जोड़ने में मदद मिली।

आईआईटी भुवनेश्वर के सहायक प्रोफेसर डॉ. सयान डे ने कार्यशाला का समन्वय किया और इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता और महत्व को दोहराया।

अपने सफल क्रियान्वयन के साथ, कार्यशाला भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में आईआईटी भुवनेश्वर के योगदान और राष्ट्रीय तकनीकी परिदृश्य में राज्य की बढ़ती भूमिका में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

-----